पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने जनपद कुशीनगर में 424 करोड़ रु0 से अधिक लागत की 278 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया

विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, स्वीकृति पत्र, प्रतीकात्मक चेक, चाभी तथा टूलकिट प्रदान किए

कुशीनगर वैदिक एवं रामायण कालीन समृद्धशाली विरासत का साक्षी, महात्मा बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली तथा 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी जी की पावन धरा : मुख्यमंत्री

फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ करने का प्रस्ताव, दुनिया अब पावागढ़ की परम्परा और संस्कृति के साथ जुड़ेगी

कुशीनगर जनपद में 90,000 गरीबों को आवास तथा 03 लाख 14 हजार से अधिक गरीबों को शौचालय की सुविधा दी गई, गरीबों को निःशुल्क राशन की सुविधा मिल रही

मेडिकल कॉलेज प्रारम्भ होने से कुशीनगर के युवा अब प्रवेश लेकर डॉक्टर बन पाएंगे

इस सत्र में कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का संचालन प्रारम्भ होने जा रहा

प्रदेश में जब कोई सरकारी नौकरी निकलती है, तो कुशीनगर के युवा बड़ी संख्या में चयनित होकर नियुक्ति पत्र प्राप्त करते

निवेश के माध्यम से प्राप्त होने वाले रोजगार में कुशीनगर का युवा रोजगार पा रहा

सरकार प्रत्येक चेहरे पर खुशहाली, बेटी को सुरक्षा, नौजवान के हाथ में नौकरी, खेत को पानी तथा किसान को उपज का उचित दाम दिलाने के लिये लगातार कार्य कर रही

लखनऊ : 02 जून, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि कुशीनगर वैदिक एवं रामायण कालीन समृद्धशाली विरासत का साक्षी, महात्मा बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली तथा 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी जी की पावन धरा है। कुशीनगर का भगवान श्रीराम के पुत्र कुश से भी सम्बन्ध है। यहां के युवा ऊर्जावान तथा राष्ट्रभक्त हैं। किसान बेहतर कार्य कर रहे हैं। यहां की माताएं–बहनें भारत माता के प्रति पूर्ण समर्पण भाव से भारत की विरासत का संरक्षण तथा पीढ़ियों को संस्कारित कर रही हैं। कुशीनगर अपनी विकास यात्रा को बुलेट स्पीड से आगे बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद कुशीनगर में 424 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 278 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, स्वीकृति पत्र, प्रतीकात्मक चेक, चाभी तथा टूलकिट प्रदान किए। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम के दौरान कुशीनगर की विकास यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र की सरकार बनी। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार द्वारा प्रदेश में बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके, बिना झुके किए गए विकास कार्यों के परिणाम हम सभी के सामने हैं। कुशीनगर जनपद में 90,000 गरीबों को आवास की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। 03 लाख 14 हजार से अधिक गरीबों को शौचालय की सुविधा दी गई। यहाँ गरीबों को निःशुल्क राशन की सुविधा मिल रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज डबल इंजन सरकार गरीबों को प्रत्येक सुविधा मुहैया करा रही है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य की बेहतर सुविधा मिल रही है। कुशीनगर जनपद में मेडिकल कॉलेज एवं एयरपोर्ट बन चुके हैं। नए एयरक्राफ्ट आने के बाद यहाँ से वायु सेवा को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। इसी सत्र से कुशीनगर में कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का संचालन प्रारम्भ होने जा रहा है। सरकार किसानों को गन्ने की कीमत का भुगतान 315 रुपये प्रति कुन्तल के स्थान पर 400 रुपये प्रति कुन्तल की दर से कर रही है। यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसानों को गन्ने के मूल्य का भुगतान समय पर हो।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जापानी इंसेफेलाइटिस बीमारी अब पूरी तरह से समाप्त हो चुकी है। आज प्रदेश में जब कोई सरकारी नौकरी निकलती है, तो कुशीनगर के युवा बड़ी संख्या में चयनित होकर नियुक्ति पत्र प्राप्त करते हैं। पुलिस की भर्ती में भी बड़े पैमाने पर कुशीनगर के युवा भर्ती हुए। निवेश के माध्यम से प्राप्त होने वाले रोजगार में भी कुशीनगर का युवा रोजगार पा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार का विकास का अपना एक विजन है। यह जनता द्वारा अच्छे जनप्रतिनिधियों के चुनाव के कारण सम्भव हो पाया है। पूर्ववर्ती सरकारों में तमकुहीराज और फाजिलनगर के विकास के बारे कोई नहीं सोचता था। आज यहां के जनप्रतिनिधियों की मेहनत के कारण सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। सरकार ने फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ करने का प्रस्ताव कर दिया है। देश और दुनिया अब पावागढ़ की परम्परा और संस्कृति के साथ जुड़ेगी। अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज से 09 से 10 वर्ष पूर्व कुशीनगर जनपद की स्थिति खराब थी। यहाँ पहचान और बीमारी का संकट था। बालू, खनन माफिया और जंगल पार्टी का आतंक था। कुशीनगर जनपद जंगल पार्टी के आतंक से सबसे अधिक प्रभावित जनपदों में से एक था। जापानी इंसेफेलाइटिस बीमारी यहाँ के मासूमों को जकड़े हुयी थी। किसान परेशान था, उसे आसानी से गन्ने की पर्ची नहीं मिलती थी। यदि मिल जाती थी, तो घटतौली की सम्भावना बनी रहती थी। किसान मेहनत करता था, लेकिन उसे उपज का उचित दाम नहीं मिल पाता था। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य की सुविधाओं का अभाव था। युवाओं के पास नौकरी व रोजगार के अवसर नहीं थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कुशीनगर को पूर्ववर्ती सरकारों की विकृत मानसिकता ने बीमार और वंचित कर दिया था। उन्होंने यहां के किसानों को बदहाल तथा युवाओं को बेरोजगार बना दिया था। पहले फाजिलनगर और कसया विधान सभा में मुसहर समाज के लोगों की भूख से मृत्यु होती थी तथा किसान आत्महत्या के लिए मजबूर थे। आज से 09 वर्ष

पूर्व कोई पर्व और त्योहार आने पर दंगे का माहौल बन जाता था। पडरौना में भी डोल मेले के अवसर पर दंगे हुए थे। न्याय माँगने वालों को जेल भेज दिया गया था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बारी–बारी से कुशीनगर की सभी सातों विधानसभाओं के कार्यक्रम होंगे। आज जिन कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया गया है, वह केवल दो विधानसभाओं के विकास से सम्बन्धित हैं। सरकार प्रत्येक चेहरे पर खुशहाली, प्रत्येक बेटी को सुरक्षा, प्रत्येक नौजवान के हाथ में नौकरी, प्रत्येक खेत को पानी तथा किसान को उपज का उचित दाम दिलाने के लिये लगातार कार्य कर रही है। आज प्रदेश में अच्छी सड़कें, एयरपोर्ट, विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। किसानों को सुविधाएं मिल रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज से 498 वर्ष पूर्व अयोध्या में प्रभु श्रीराम जन्मभूमि पर प्रभु श्रीराम के भव्य मन्दिर को एक विदेशी आक्रान्ता ने तोड़ने का कुत्सित प्रयास किया था। इसके बाद कई दशक तथा पीढ़ियां बीत गए। लोग इसके लिए संघर्ष करते रहे। सम्पूर्ण देश की भावनाएं इससे जुड़ी थीं। अयोध्या में श्रीराम मन्दिर निर्माण के कार्य को गति तभी मिल पाई, जब डबल इंजन सरकार बनी। जो व्यक्ति आज से 10 वर्ष पूर्व अयोध्या गया होगा, वह आज की अयोध्या को पहचान नहीं पाएगा। आधुनिक अयोध्या त्रेता युग का स्मरण कराती है।

भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त करने के बाद अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया। वह 36 वर्षों तक ज्ञान का प्रचार करते रहे, और अन्तिम समय में कुशीनगर में महापरिनिर्वाण लिया। भगवान महावीर जीवन के सत्य को समझने के उपरान्त अन्तिम समय में पावानगर में आ गए थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति हम सभी का दायित्व है। राजनीति जनसेवा का एक माध्यम है। इसके माध्यम से सुरक्षा, सुशासन और नागरिकों को उनके अधिकार दिलाने के लिए निरन्तर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विकास के पायदान पर अब कुशीनगर को कभी पीछे नहीं जाना पड़ेगा। अब कोई विकास में सेंध नहीं लगा पाएगा। सरकार के स्तर से विकास की एक–एक पाई का हिसाब रखा जाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नौजवानों के रोजगार, नौकरी और स्वावलम्बन के कार्यक्रम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। नौजवानों के लिए नए–नए कोर्सेज लाये जा रहे हैं। मेडिकल कॉलेज प्रारम्भ होने से कुशीनगर के युवा भी अब प्रवेश लेकर डॉक्टर बन पाएंगे। प्रदेश में बेहतरीन कनेक्टिविटी दी जा रही है। यह कार्य विकास का आधार बनेंगे, जो निवेश का आधार बनेंगे। निवेश रोजगार का आधार बनेगा और नौजवान स्थानीय स्तर पर ही रोजगार प्राप्त करेंगे। यहां का पैसा यहीं पर लगेगा और विकास के साथ जुड़ेगा। इससे प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी, जो प्रदेश की समृद्धि का कारण बनेगा। विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश का रास्ता यही से होकर जाता है।

कार्यक्रम को सांसद श्री शशांक मणि, श्री रवि किशन शुक्ल, विधायक श्री सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, डॉ0 असीम कुमार राय ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

————————